

ANNEXURE

ANNEXURE No. I

रीफ़ :- उन्हों के रक्षा जीप्रा विद्यालय सा प्राक्षिक्तरण से उन्हें उत्तीर्ण सर की पारस्पारिका सा अधिक।

विद्यार्थी सा व्यक्तिगत घोटा

विद्यार्थी का नाम ----- मुद्रितांक -----

विद्यालय का नाम: -----

रक्षा ----- कर्म ----- दिनांक -----

लिंग : छब्बी/छठा ----- आयु -----

मिली वार्षिक परीक्षा स्वर्णी घोटा :

कुल भूक्ति ----- प्राप्त भूक्ति -----

रक्षा मेरे पहले वाले शिक्षकों के नाम: -----

विषय

शिक्षक का नाम

1. मासा इंदिरी ॥

2. गोप्ता

3. किताम इच्छिक्तमाः

ANNEXURE No. II

उपर्युक्त १ :- रक्षा के शैक्षिक विद्यालय के प्रति विभिन्न उपलब्ध स्तर के विद्यार्थी की धारणा।

निर्णय :- यहाँ इच्छा मनो जी सही नहीं है, जो रक्षा के शैक्षिक विद्यालय से संबंधित है प्रत्येक के नीचे चार विकल्प हैं ग्रामके दृष्टिकोण से जो सही विकल्प है उसके ऊपर ग्रामक ग्रन्थर पर मोता लगाये।

११५) रक्षा के शैक्षिकों के सभ सामग्री कौन सा स्वधे है।

- अ. बहुत ज्ञानी
- ब. योड़ा ज्ञानी है।
- स. कठीन चिन्ता बुरा उत्तम ही ज्ञानी है।
- द. योड़ा बुरा है।

१२६) ग्राम आजसर विद्यार्थी मे पढ़ाई जाने वाली विषेष के बारे मे यहा सोचो है ।

- अ. बहुत ज्ञानी है।
- ब. उच्च ज्ञानी है।
- स. उच्च ज्ञानी नहीं है।
- द. किल्कुल ज्ञानी नहीं है।

१३७) ग्रामस्त फूले जाने वाले विद्यार्थी जी पाठ्य-वस्तु के बारे मे जास्ता प्रश्न दीविर।

- अ. बहुत संस्कर लगती है।
- ब. संस्कर लगती है।
- स. उमी संस्कर नहीं लगती है।
- द. किल्कुल संस्कर नहीं लगती है।

१४८) रक्षा के दूरारे उद्यो जी तुलना मे ग्राम शैक्षिक कार्य किस झुण्डमे कर रहे हो।

- अ. आधिकार उद्यो जी तुलना मे योड़ा आधिक।
- ब. कठीन सभी उद्यो जी तुलना मे योड़ा आधिक।
- स. आधिकार उद्यो जी तुलना मे योड़ा कम।
- द. आधिकार उद्यो जी तुलना मे बहुत सम।

१५९) जो शिक्षक सुभाव देते हैं उसका अनुकरण किसने उन्हें रखते हैं।

- अ. सभी उन्हें रखते हैं।
- ब. ग्राम से ज्यादा उन्हें रखते हैं।
- स. ग्राम से उमा उन्हें रखते हैं।
- द. कोई-कोई उन्हें रखता है।

४६३ जब संक्षा के छात्र एक-दूसरे की सहायता करते हैं तो --- ।

- अ. सभी शिक्षक उसे प्रशंसन करते हैं ।
- ब. इच्छा शिक्षक उसे प्रशंसन करते हैं ।
- स. बहुत ज्ञान शिक्षक प्रशंसन करते हैं ।
- द. कोई भी शिक्षक प्रशंसन नहीं करते हैं ।

४७४ दूसरे छात्रों की तुलना में ग्रामका विद्यालय में कार्य कैसा होता है ।

- अ. आधिकारिक छात्रों की तुलना में ज्ञान ।
- ब. ऊर्ध्व दूसरे छात्रों के बरबार ।
- स. दूसरे छात्रों की ज्ञान से फ़ुल ज्ञान ।
- द. आधिकारिक छात्रों की ज्ञान से ज्ञान ।

४८५ ग्रामकी ऊर्ध्वके जन्म दूसरे छात्र स्था प्राप्ति: एक-दूसरे छात्रों के विद्यालय कार्य में सहायता करते हैं ।

- | | |
|----------------------|------------------|
| अ. आधिकारिक | ब. ज्ञानी-ज्ञानी |
| स. मुशाकिल से ज्ञानी | द. ज्ञानी नहीं |

४९६ स्था संक्षा के छात्र प्राप्ति: एक दूसरे से विज्ञान मा व्यवहार करते हैं ।

- | | |
|------------------|----------------|
| अ. हायोगा | ब. प्राप्ति: |
| स. ज्ञानी-ज्ञानी | द. ज्ञानी नहीं |

५०७ १. संक्षा मेरि नित्य प्रति ग्राम्यका करता ग्रामको रहों तक संपर्कर लगता है ।

- अ. हायोगा
- ब. आधिकारिक
- स. ज्ञानी-ज्ञानी
- द. मुशाकिल से ज्ञानी

ANNEXURE No. III

उपरण - II: सर्व निर्धारण प्राप्ति

इस उपरण में पैंच किंद्रों की निर्धारण प्राप्ति दी गयी है। इन प्रत्येक सम के अप्राप्ति दिये निर्धारण किंद्रों में से उसीसे ज्ञान पर गोला लगावे। प्राप्ति के ज्ञान विचार को बौध्दिक रूपते हैं।

- 1 पूर्ण सहायता
- 2 सहायता
- 3 न तो सहायता, न ही असहायता
- 4 असहायता
- 5 पूर्णतया से असहायता

॥१॥ सभी-सभी मैं रक्षा में ज्ञाने उपलब्धि स्तर के प्रति निराश हो जाता/जाती हूँ।

- 1
- 2
- 3
- 4
- 5

॥२॥ मैं रक्षा में उपलब्धि स्तर ज्ञाना कारण रक्षा चाहता/चाहती हूँ।

- 1
- 2
- 3
- 4
- 5

॥३॥ मैं कई बार रक्षा में ज्ञाने वाले कार्य करने देते हैं।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

४४) मेरी रक्षा के सभी ग्रन्थालय एवं छावनीय स्थळे पहल हैं।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

४५) यदि मैं प्रश्न सम्भाल सकती हूँ तो मैं रक्षा में शैक्षिक कार्य पूर्ण स्तर से कर सकता/सकती हूँ।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

४६) मैं शिक्षकों की धारणाओं से अधिक प्रभावित नहीं होता/होती हूँ।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

४७) हमारी रक्षा में शिक्षक स्वयं ही रक्षा कार्य के बारे में निर्णय लेते हैं।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

४८) रक्षा में शिक्षक छात्रों के गृहकार्य पर टिप्पणी करते हैं।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

४९) मैं रक्षा कार्य के प्रति पूरे समर्पित रहता/रहती हूँ।

- 1.
- 2.



॥ 10 ॥ या रुक्षा मे सभी भी कर्त्त चाहूँ मे बाँकर नहीं करते हैं।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

॥ 11 ॥ सभी सभी छोटो का चाहूँ मे कर्त्त रखने के लिये विकारण मिया जाता है।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

॥ 12 ॥ रुक्षा का शैक्षिक विकारण युगे दुःख लगता है।

- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

॥ 13 ॥ मेरी रुक्षा मे प्राणः संस्कर बसे होती है।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

॥ 14 ॥ रुक्षा का शैक्षिक विकारण प्राणः बहुत संस्कर नहीं है।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

॥ 15 ॥ प्राणः मध्याम्ब गृहकर्त्त पर प्राप्ति एव वेद प्राप्त करने के लिये टिप्पणी लिखते हैं।

- 1.
- 2.

ANNEXURE No. IV (A)

उपकरण 3(A): अध्यात्म संबोधित निर्धारण ग्रामी

इस उपकरण में आप इक्षा के शैक्षिक विद्यालय से सर्वोच्च भाषा अध्यात्म के दोषहम के प्रति विचार व्यक्त करें। निर्धारण ग्रामी के तीन ग्राम हैं, हों, ना, रुमी-रुमी। आपने विचार तीनों में से उन्हें स्थान पर सही जा निराम लगाकर प्रस्तुत कीजिए।

अध्यात्म का नाम :-

अध्यात्म का विषय :-

- | | | | | |
|-----|---|-----|----|-----------|
| 1. | अध्यात्म उद्घो जी लिप्पणी सो रखते हैं।
संचार करते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 2. | इक्षा में प्रश्नः उद्घो के विचारों की प्रश्नाएँ की जाती हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 3. | उद्घो को संचार सम्प्रसारण के लिए सुनाव दिये जाते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 4. | अध्यात्म उद्घो को किंची दृष्टिकोण से अभिकृत रखते जा प्रश्नाएँ रखते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 5. | उद्घो को नवीन एवं संविधूर्ण विधियाँ जाती हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 6. | विद्यालय में सम्प्रसारण के उपरांत भी अध्यात्म उद्घो से शैक्षिक विद्याओं पर कर्ता करते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 7. | अध्यात्म उद्घो को उद्देश्य सम्बूद्धो में बहुकर स्वयं अध्यात्म रखते जी प्रेरणा देते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 8. | अध्यात्म में स्टॉनर्ड आने पर अध्यात्म उद्घो जी सम्प्रसारण सामाजिक जी विधियों से अवगत रहते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 9. | अध्यात्म उद्घो से फूजते हैं कि वे अध्यात्मी बारी में किस पाठ जा अध्यात्म रखना पस्त रहें। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 10. | अध्यात्म उद्घो के गलत उत्तर देने पर निराम जा अनुभव रखते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 11. | अध्यात्म विस्ती उद्घ द्वारा दिये गये उत्तर पर अव उद्घो सो विचार प्रस्तुत के लिये उत्साहित रखते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |
| 12. | अध्यात्म विविध उद्घो के प्रति आपने दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने जा प्रश्नाएँ रखते हैं। | हाँ | ना | रुमी-रुमी |

- | | | | |
|---|-----|----|---------|
| 13. पाठ्य-फॉल में दैनिक चीज़ों के उदाहरण देकर
ग्राम्याङ्क छात्रों को समाजने के लिये प्रोत्साहित
करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 14. ग्राम्याङ्क नवे विद्यार्थियों का रक्षा में सहेजूंच
समर्पित करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 15. ग्राम्याङ्क सभी विद्यार्थियों के बीच विज्ञान को
विकासित करने का प्रयास करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 16. ग्राम्याङ्क विद्यार्थियों से समाजना का व्यवहार
करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 17. ग्राम्याङ्क, विद्यार्थियों में दक्षता का विकास करने
के लिये पूर्ण प्रयास करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 18. ग्राम्याङ्क छात्रों को यह काम पूर्ण करने के
लिये प्रेरित करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 19. ग्राम्याङ्क ऊसे फूलने के विषय के ग्रातिरिक्त
ग्रन्थ विद्यार्थियों के बारे में भी जानकारी देने का
प्रयास करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 20. ग्राम्याङ्क, छात्रों को स्वयं सीखने में सहायता
करते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |

ANNEXURE No. IV (B)

उपरण 3(B) :- ग्रामसंघ निर्धारण मासी।

इस उपरण में ग्राम का रक्षा के शैक्षिक विचारण से सम्बन्धित लिखन ग्रामक के दोषों के प्रति विचार यक्षम कर। निर्धारण मासी के तीन ग्राम हैं, होंगा, स्थी-स्थी। इनमें विचार तीनों में से, उन्हें समाज पर सही राम निराम लगाने पर्सनल फैसले दीच्छे।

ग्रामक का नाम :-

ग्रामक का विषय :-

- | | | | |
|-----|---|-------|-----------|
| 1. | ग्रामक उद्धो जी टिप्पणी को सहबं
स्वीकार करते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 2. | रक्षा में प्राप्त उद्धो के विचारों की
प्रशंसा की जाती है। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 3. | उद्धो को समिक्षा देने के लिए
सुनव दिये जाते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 4. | ग्रामक उद्धो को निवी दृष्टिकोण से
प्रशंसा करते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 5. | उद्धो को नवीन ख संरेख्य विधि
सिपाही जाती है। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 6. | विद्यालय में सम्बन्ध के उपरांत भी ग्रामक
उद्धो से शैक्षिक विषयों पर जर्ख्य करते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 7. | ग्रामक उद्धो को छोटे साहों में बैठकर
सब ग्रामक दर्जे की प्रेरणा देते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 8. | ग्राम में ऊलाई ग्राम पर ग्रामक
उद्धो की सास्त्रा सामाधान की विधियों
से अवगत करते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 9. | ग्रामक उद्धो से जूते हैं कि वे आगामी
वारी में किस पाठ का ग्रामक दर्जा
पकड़ देंगे। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 10. | ग्रामक उद्धो के गलत उत्तर देने पर निरामा
का ग्रन्थ रखते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 11. | ग्रामक किसी उच्च द्वारा दिये गये उत्तर पर
ग्रन्थ उद्धो को विचार प्रक्रिय के लिये उत्साहित
करते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 12. | ग्रामक विभिन्न उद्धो के प्रति इनमें दृष्टिकोण
में परिवर्तन लाने का प्रशंसा करते हैं। | होंगा | स्थी-स्थी |
| 13. | पाठ्य-पठन में दैनिक जीवन के उदाहरण देने
ग्रामक उद्धो को सम्मने के लिये प्रसादाद्वारा | होंगा | स्थी-स्थी |

- | | | | |
|---|-----|----|---------|
| 14. ग्राम्यासक न्यू विद्यार्थियों का रक्षा में स्नेहपूण
स्वामृत रखते हैं। | हाँ | ना | समी-समी |
| 15. ग्राम्यासक समी विद्यार्थियों के दबी गिरजा को
विकासित रखने का प्रयास रखते हैं। | हाँ | ना | समी-समी |
| 16. ग्राम्यासक विद्यार्थियों से समाजसांग का व्यवहार
रखते हैं। | हाँ | ना | समी-समी |
| 17. ग्राम्यासक, विद्यार्थियों में दक्षता का विकास रखने
के लिये पूर्ण प्रयास रखते हैं। | हाँ | ना | समी-समी |
| 18. ग्राम्यासक उच्चारों को गृह रूपर्थ पूर्ण रखने के
लिये प्रेरित रखते हैं। | हाँ | ना | समी-समी |
| 19. ग्राम्यासक ग्रन्ति पद्धति के विषय के अतिरिक्त
अन्य विषयों के बारे में भी जानकारी देने का
प्रयास रखते हैं। | हाँ | ना | समी-समी |
| 20. ग्राम्यासक, उच्चारों को स्वयं सीखने में सहायता
रखते हैं। | हाँ | ना | समी-समी |

ANNEXURE No. IV (C)

उपर्युक्त ३(C) : ग्राम स्वीकृति निर्धारण प्राप्ति ।

इस उपर्युक्त में जाति रुक्षा के ऐक्षिक व्यवहारण से स्वीकृति ग्राप्ति ग्राम स्वीकृति के दोषमात्र के दोषमात्र के प्रति विवार वक्ता द्वारा निर्धारण प्राप्ति के तीन ग्राप्ति हैं, हाँ, ना, सभी-सभी। अम्भे विवार तीनों में से उचित समाप्त पर सही का निशान लगाकर प्रस्तुत कीजिएः-

ग्राम स्वीकृति का नाम :-

ग्राम स्वीकृति का विषय :-

- | | | | | |
|-----|---|-----|----|---------|
| 1. | ग्राम स्वीकृति द्वारा की विषयी को स्वर्ण स्वीकृति दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 2. | रुक्षा में प्रश्नः द्वारा के विवारों की प्रश्नाओं की जाती है। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 3. | द्वारों को संस्कर सामग्री पढ़ने के लिए सम्भव दिये जाते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 4. | ग्राम स्वीकृति द्वारों को किसी दृष्टिकोण से प्राक्षिक रूप से प्रश्नाओं का प्रश्न दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 5. | द्वारों को अनेक संक्षिप्त विषय सिखायी जाती है। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 6. | विद्यालय में सम्प्रय के उपर्युक्त मी ग्राम स्वीकृति द्वारों से ऐक्षिक विषयों पर क्वार्ट रूप से दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 7. | ग्राम स्वीकृति द्वारों को छोटे साहूदों में बैंडकर स्वयं ग्राम स्वीकृति दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 8. | ग्राम स्वीकृति द्वारों को अनिवार्य अन्नों पर ग्राम स्वीकृति द्वारों की सामाजिक साधारण स्थापना से ग्राम स्वीकृति दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 9. | ग्राम स्वीकृति द्वारों से पूछते हैं कि वे ग्रामीण बारी में इसी पाठ का ग्राम स्वीकृति दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 10. | ग्राम स्वीकृति द्वारों के गत्ता उत्तर देने पर निरक्षा का मनुष्य दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 11. | ग्राम स्वीकृति द्वारों द्वारा दिये गए उत्तर पर अन्य द्वारों को विवार प्रस्तुत के लिये उत्साहित दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 12. | ग्राम स्वीकृति द्वारों के प्रति अम्भे दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने का प्रश्न दरते हैं। | हाँ | ना | सभी-सभी |
| 13. | पाठ्य-पठन में ऐक्षिक चैक्स के उद्दरण देने | हाँ | ना | सभी-सभी |

D-75

14. अध्यापक जो विद्यार्थी का स्थान में स्थानार्पण
सम्पन्न करते हैं। हो ना सभी-सभी
15. अध्यापक सभी विद्यार्थी के बीच विकला से
विकरित करने का प्रयास करते हैं। हो ना सभी-सभी
16. अध्यापक विद्यार्थी से सम्मता का व्यवहार
करते हैं। हो ना सभी-सभी
17. अध्यापक, विद्यार्थी में दक्षता का विकास करने
के लिये पूर्ण प्रयास करते हैं। हो ना सभी-सभी
18. अध्यापक छात्रों से यह गति पूर्ण गति गति के
लिये प्रेरित करते हैं। हो ना सभी-सभी
19. अध्यापक अपने छाने के विषय के अतिरिक्त
अन्य विषयों के बारे में भी चानकारी देने का
प्रयास करते हैं। हो ना सभी-सभी
20. अध्यापक, छात्रों को सब सीखने में सहायता
करते हैं। हो ना सभी-सभी